an>

Title: Need to provide Minimum Support Price to the sugarcane growers of Bihar.

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे गन्ना किसानों की समस्या को उठाने का मौका दिया, इसके लिए धन्यवाद। अभी फिर गन्ने की पेराई का सीजन शुरू हो गया है। तीन सालों से हम देख रहे हैं कि किसानों को मुआवजा 6-6 महीने तक नहीं मिलता है और ऐसा समय है कि कभी प्रोडक्शन ज्यादा हो जाता है और उसके चलते भी नहीं मिलता है तो मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि जो इथेनाल का प्रोडक्शन है, उसको अगर बढ़ाया जाये तो उसके चलते गन्ना किसानों को भी मुआवजा मिल सकता है और शुगर फैक्टरीज़ भी जो घाटे में चल रही हैं, वे नहीं रहेंगी। मैं अपनी सरकार को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि उसने चीनी से सिल्क को या दूसरी चीजों को बदलने का मौका दिया, जिसके चलते शुगर फैक्टरियों का कुछ घाटा निपटा है। हम लोग कूड ऑयल के लिए विदेश में पैसा भेजते हैं, अगर वही हम टैक्स में कुछ रिलीफ इथेनाल के लिए दे दें तो हमारी सरकार में इथेनाल प्रोडक्शन भी बढ़ेगा, एक तो वह एनवायर्नमेंट फ्रेंडली भी है, दूसरे किसानों को समय पर पैसा मिलेगा और विदेशी मुद्रा की बचत भी होगी।

आपने मुझे यह प्रश्न उठाने का मौका दिया। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : डॉ. किरिट पी. सोलंकी, श्री भैरों प्रसाद मिश्र, डॉ. सत्यपाल सिंह, श्री नाना पटोले, डॉ. प्रीतम गोपीनाथ मुण्डे, श्री कपिल मोरेश्वर पाटील, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और श्री केशव प्रसाद मौर्य को डॉ. संजय जायसवाल के साथ सम्बद्ध होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री राघव लखनपाल - उपस्थित नहीं।

श्री राहुल शिवाले।